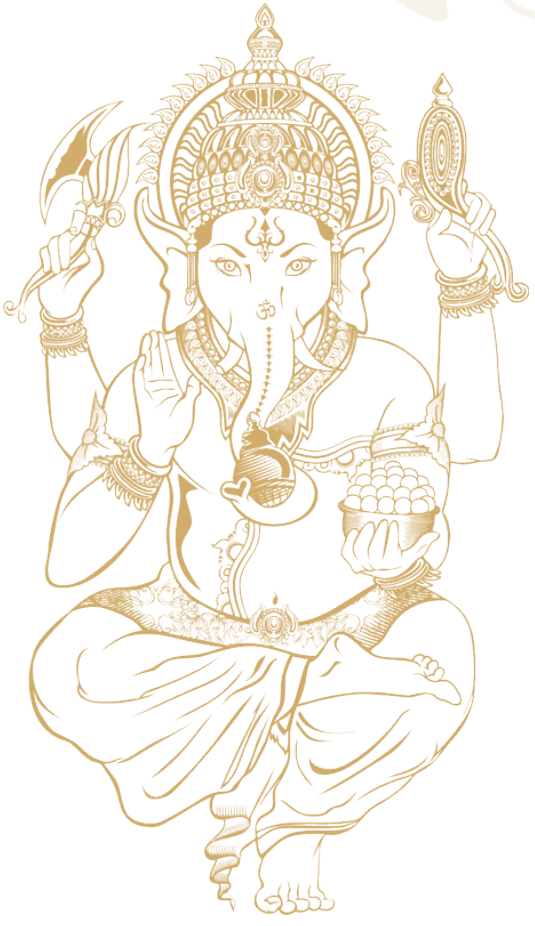

Tejal

27 Jun 1996

01:15 AM

Lunavada

Model: web-freekundliweb

Order No: 120880803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**26-27/06/1996**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:15:00 घंटे**
इष्ट	48:27:32 घटी
स्थान	**Lunavada**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	23:08:00 उत्तर
रेखांश	73:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:35:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:39:28 घंटे
वेलान्तर	-00:02:50 घंटे
साम्पातिक काल	19:00:18 घंटे
सूर्योदय	05:51:59 घंटे
सूर्यास्त	19:24:44 घंटे
दिनमान	13:32:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	11:38:59 मिथुन
लग्न के अंश	26:09:17 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेणुका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:09:17	468:21:23	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
सूर्य			मिथु	11:38:59	00:57:12	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	सम राशि
चंद्र			तुला	12:48:47	13:31:11	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			वृष	16:15:57	00:42:07	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			वृष	25:30:45	01:49:29	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	19:55:49	00:07:32	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र	व		वृष	18:33:23	00:13:00	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि			मीन	13:10:55	00:02:12	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	19:39:16	00:02:23	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	19:39:16	00:02:23	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	09:52:26	00:02:01	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	03:07:51	00:01:29	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:02:09	00:01:17	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			धनु	20:04:15	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:33

लग्न-चलित

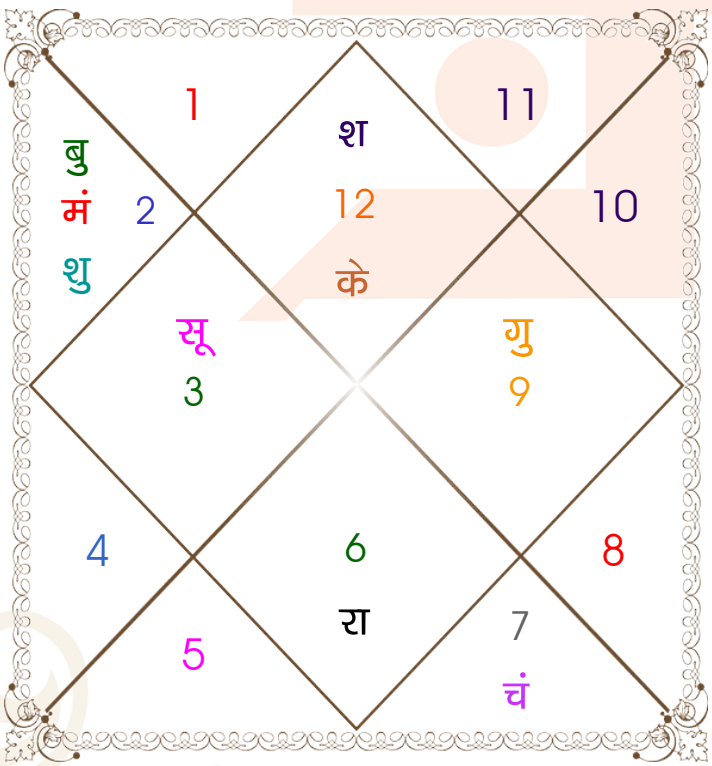

चन्द्र कुंडली

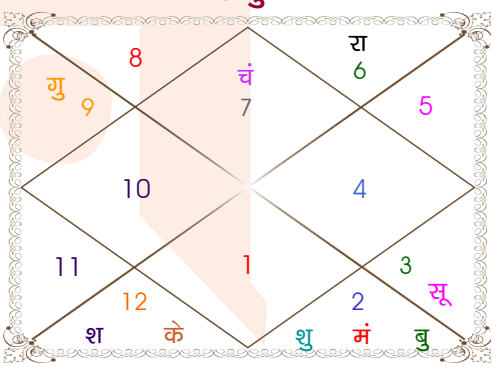

नवमांश कुंडली

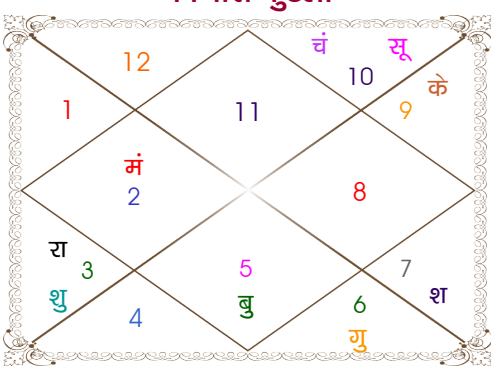

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 9 वर्ष 8 मास 13 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/06/1996		10/03/2006		10/03/2022		10/03/2041		10/03/2058	
10/03/2006		10/03/2022		10/03/2041		10/03/2058		10/03/2065	
	00/00/0000	गुरु	28/04/2008	शनि	13/03/2025	बुध	07/08/2043	केतु	06/08/2058
	00/00/0000	शनि	09/11/2010	बुध	21/11/2027	केतु	03/08/2044	शुक्र	07/10/2059
	27/06/1996	बुध	14/02/2013	केतु	30/12/2028	शुक्र	04/06/2047	सूर्य	11/02/2060
बुध	09/09/1998	केतु	21/01/2014	शुक्र	01/03/2032	सूर्य	09/04/2048	चंद्र	11/09/2060
केतु	27/09/1999	शुक्र	21/09/2016	सूर्य	11/02/2033	चंद्र	09/09/2049	मंगल	08/02/2061
शुक्र	27/09/2002	सूर्य	10/07/2017	चंद्र	12/09/2034	मंगल	06/09/2050	राहु	26/02/2062
सूर्य	22/08/2003	चंद्र	09/11/2018	मंगल	22/10/2035	राहु	25/03/2053	गुरु	02/02/2063
चंद्र	20/02/2005	मंगल	16/10/2019	राहु	28/08/2038	गुरु	01/07/2055	शनि	13/03/2064
मंगल	10/03/2006	राहु	10/03/2022	गुरु	10/03/2041	शनि	10/03/2058	बुध	10/03/2065

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/03/2065		10/03/2085		11/03/2091		11/03/2101		11/03/2108	
10/03/2085		11/03/2091		11/03/2101		11/03/2108		00/00/0000	
शुक्र	10/07/2068	सूर्य	28/06/2085	चंद्र	09/01/2092	मंगल	07/08/2101	राहु	22/11/2110
सूर्य	10/07/2069	चंद्र	27/12/2085	मंगल	09/08/2092	राहु	26/08/2102	गुरु	17/04/2113
चंद्र	11/03/2071	मंगल	04/05/2086	राहु	08/02/2094	गुरु	02/08/2103	शनि	22/02/2116
मंगल	10/05/2072	राहु	29/03/2087	गुरु	10/06/2095	शनि	09/09/2104	बुध	28/06/2116
राहु	10/05/2075	गुरु	15/01/2088	शनि	08/01/2097	बुध	07/09/2105		00/00/0000
गुरु	08/01/2078	शनि	27/12/2088	बुध	10/06/2098	केतु	03/02/2106		00/00/0000
शनि	10/03/2081	बुध	02/11/2089	केतु	09/01/2099	शुक्र	05/04/2107		00/00/0000
बुध	09/01/2084	केतु	10/03/2090	शुक्र	09/09/2100	सूर्य	11/08/2107		00/00/0000
केतु	10/03/2085	शुक्र	11/03/2091	सूर्य	11/03/2101	चंद्र	11/03/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 9 वर्ष 7 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि की विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगी।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचती हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होती हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पति के समक्ष जाती हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पति की सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाती हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाली नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाली प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगी एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकती हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगी। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप पुरुष के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगी तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति की महिला हो तथा अपने जीवन में सफल होंगी। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखती रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकती है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकती हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकती हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।